पाप दग्ध, विकर्म विनाश करने के लिए फुल स्टॉप लगायें

परमपिता ने हम बच्चों को कहा कि याद का सब्जेक्ट मुख्य है। क्योंकि इसी याद के सब्जेक्ट के माध्यम से विकर्म विनाश होते हैं, पाप दग्ध होते हैं। विकर्म विनाश होना और पाप दग्ध होना, साथ ही साथ परमपिता ने कहा कि कई बार ब्राह्मणों को योग में मुश्किलें आती हैं तो ज्ञान सुनना आसान महसूस होता है।

योग में कोई न कोई विघ्न आ जाता है। विघ्न माना कभी सुस्ती का झुटका आ जाता है तो कभी बुद्धियोग बाहर भटक जाता है, कहीं और चला जाता है। और उसमें भी बाबा ने जैसे कहा बच्चे यथार्थ याद, यथार्थ समझ के आधार पर याद करना बहुत आवश्यक है। बिन्दु रूप अवस्था ही वो अवस्था है जिसमें जब स्थित हो जाते हैं तो यथार्थ याद हमारी बनती है। लेकिन प्रैक्टिकल में अगर देखें तो बिन्दुरूप बनने के लिए सबसे पहले बिन्दु लगाना भी आना चाहिए। क्योंकि जब तक बिन्दु लगेगा नहीं, तब तक बिन्दु बनेंगे नहीं। बिन्दु लगाना माना फुलस्टॉप लगाना। और फुल स्टॉप लगाने के लिए फुल स्टॉक जमा होना चाहिए, तो फुल स्टॉप लग सकता है। ज्ञान का खज़ाना हमारे पास इतना जमा हो कि जैसे बुद्धियोग बाहर गया कि तुरन्त हम उसको मोड़ सकें। और बुद्धियोग को पुनः कोई न कोई श्रेष्ठ चिंतन दे दें। श्रेष्ठ दिशा दे देवें और फिर परमपिता में लगायें। तो इसीलिए बिन्दु लगाना आवश्यक है।

परमपिता ने भी इसीलिए हम बच्चों को कहा कि बच्चे समय अनुसार, परिस्थिति अनुसार, तीन बिन्दु में से कोई भी बिन्दु लगा लो। कभी-कभी दैहिक सम्बन्धों में जब बुद्धियोग बाहर भटक जाता है, कोई देहधारियों की याद आ जाती है, तो उस समय कौन सा बिन्दु लगायेंगे? उस समय आत्मा बिन्दु, आत्मा बिन्दु लगा दो कि तुरन्त उन देहधारियों को भी जिसकी याद आ रही थी या जहाँ बुद्धि गई तो उस समय उन्हें भी आत्म रूप में देखना शुरू करो। और आत्मा रूप में देखते हुए बिन्दु लगा दो वहाँ। फिर जैसे ही हमारा मन, क्योंकि मन के भटकने के तीन द्वार हैं जहाँ से वो जाता है। एक तो सम्बन्धों में जाता है और एक तो इच्छाओं में जाता है वो चाहिए, वो चाहिए, तो इच्छाओं के पीछे जाता है और एक कोई न कोई परिस्थितियों में या भयभीत हो जाते हैं। या वो परिस्थिति ही पॉवरफुल हो जाती है हिलाने वाली आ जाती है तो ये तीन द्वार है मन बुद्धि को भटकने के लिए। और इसीलिए जब ये तीन द्वार से जाते हैं तो उसके लिए बाबा ने ये तीन बिन्दु दिया है कि जब सम्बन्धों में जा रहा है उस समय आत्मा बिन्दु लगा लो। जब इच्छाओं के पीछे जाता है तो उस समय बाबा हमारा इतना बड़ा, जब बाबा मिल गया तो अप्राप्त नहीं कोई खज़ाना ब्राह्मणों के जीवन में और इसलिए जब इच्छाओं के

-ब्र.कु.ऊषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

पीछे जाता है तो बाबा की याद बाबा बिन्दु लग जाये। क्योंकि ये मन तो कहां की कहाँ उड़ा कर ले जायेगा, ये चाहिए, वो चाहिए, ये नहीं होगा तो ऐसा होगा, ये होगा, ऐसा कर लेंगे, वैसा कर लेंगे तो हवाई किले शुरू हो जाते हैं। बाबा बिन्दु लगा लो। और जब जीवन में ऐसी कोई परिस्थिति आ जाती है, कोई बात आ जाती है जो अन्दर में हलचल क्रियेट करने वाली होती है, भयभीत करने वाली होती है तो उस समय बाबा कहे कि उस समय ड्रामा बिन्दु लगा दो कि ड्रामा में जो होगा अच्छा ही होगा, बुरा कुछ हो ही नहीं सकता है। क्यों? क्योंकि ड्रामा हर पल कल्याणकारी है। और जब ड्रामा हरपल कल्याणकारी है तो मेरा अकल्याण करने की ताकत इन परिस्थितियों में थोड़े होती है। मेरा अकल्याण कभी हो नहीं सकता है। बाबा कल्याणकारी, ड्रामा कल्याणकारी और मैं श्रेष्ठ आत्मा हूँ।

तो इसीलिए बिन्दु लगाना बहुत ज़रूरी है, कभी-कभी ये तीनों बिन्दु इकट्ठे लगा दो। तीन ताला लग गया तो बुद्धि बाहर जायेगी नहीं। इसलिए ये तीन बिन्दु लगाकर बुद्धि को एकदम लॉक कर दें। बुद्धि कहीं भी बाहर जाये नहीं। और फिर बिन्दु रूप बन जाओ। बिन्दु रूप बनना माना क्या? कैसे बनेंगे? तो बिन्दु रूप बनना माना आत्मिक स्थिति में स्थित हो जाना। ये तो हम सभी जानते हैं, मानते हैं कि देही अभिमानी और, आत्माभिमानी अवस्था दो हैं। देही अभिमानी कर्म करते समय जब हम कर्मेंद्रियों का प्रयोग करते हैं, मालिक बन करके तो उस समय देहभान होता है कि हमें इन कर्मेंद्रियों का प्रयोग करना है। तो मैं आत्मा इन इन्द्रियों के द्वारा कर्म कर रही हूँ। उसको देही अभिमानी कहेंगे, लेकिन आत्माभिमानी माना हर कर्मेंद्रियों को भी समेट लिया और सिर्फ आत्म स्वरूप में स्थित हो गये और आत्म स्वरूप में स्थित होना माना आत्मा के सातों गुणों का स्वरूप बन जाना, ये है बिन्दु स्वरूप बन जाना कि जब मैं आत्मा स्वरूप में स्थित हो जाऊं तो आत्मा के सातों गुणों का स्वरूप बन जाती हूँ। और एक-एक गुणों की ऊर्जा जैसे मेरे अन्दर विकसित होती जाती है और प्रवाहित होती जाती है, आत्मा जैसे सशक्त होने लगती है सातों गुणों से। परन्तु ये अवस्था सहज तभी होगी जब हम सीधा बिन्दु बनते ही, आत्म स्वरूप में स्थित होते ही मन बुद्धि को परमधाम ले जाते हैं। और परमधाम में बिन्दु बाबा को अन्तर्चक्षु से देखते हैं, बाबा के सानिध्य में स्वयं को देखते हैं। परमधाम में भी हर रोज़ अगर एक ही रूप से हम जायेंगे तो बोर हो जायेंगे।

- क्रमशः

जम्मू। सर्व धर्म सम्मेलन के पश्चात् समूह चित्र में बिशप इवन पेरेरा, महामण्डलेश्वर महंत रामेश्वर दास, महंत रविनाथ जामवंत , मौलाना अब्दुल रहीम, प्रो. डॉ. फारुक मोहम्मद, एडिशनल एडवोकेट जनरल हुसैन सिद्दिकी, मुख्य ग्रंथी सरदार निर्मल सिंह, सरदार मोहिन्दर सिंह, जनरल सेक्रेट्री सरदार अवतार सिंह खालसा, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के दिनेश गुप्ता, विचार क्रान्ति मंच के अध्यक्ष एस.के. जैन, ब्र.कु. सुदर्शन, ब्र.कु. रविन्दर तथा अन्य।

गुवाहाटी-असम। वर्ल्ड किक बॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा आयोजित 'स्पोर्ट्स साइंस एंड माइंड पावर इन ओलम्पिक स्पोर्ट्स डिसिप्लिन्स 2018' के फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स में देश के फाइटर्स, ट्रेनर्स, ऑफिशियल्स को आमंत्रित कर सम्मानित करने के पश्चात् चित्र में ब्र.कु. जगबीर,माउण्ट आबू।

सूरतगढ़-राज.। 'वाह ज़िन्दगी वाह' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए मुख्य वक्ता ब्र.कु. उर्मिला,माउण्ट आबू, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी तथा गणमान्य लोग।

सम्बलपुर-ओडिशा। सेवाकेन्द्र पर आयोजित 'प्रेस मीट' में प्रेस क्लब के प्रेसिडेंट त्रिविक्रम प्रधान एवं लोकल तथा नेशनल प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनेक मुख्य पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए उपक्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. पार्वती। साथ हैं ब्र.कु. रामनाथ,माउण्ट आबू तथा ब्र.कु. आरती।

बरेली-सिविल लाइन (उ.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस कार्यक्रम के पश्चात् वृद्ध महिलाओं को सौगात देते हुए ब्र.कु. प्रियंका, संयोजक सुधीर मिश्रा तथा सहायक प्रबंधक कांता गगंवार।

वाराणसी-उ.प्र.। डॉ. धनश्याम दास पी.जी. कॉलेज में छात्र-छात्राओं को 'सफलता का सूत्र एवं एकाग्रता का आधार' विषय पर सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. तापोशी।

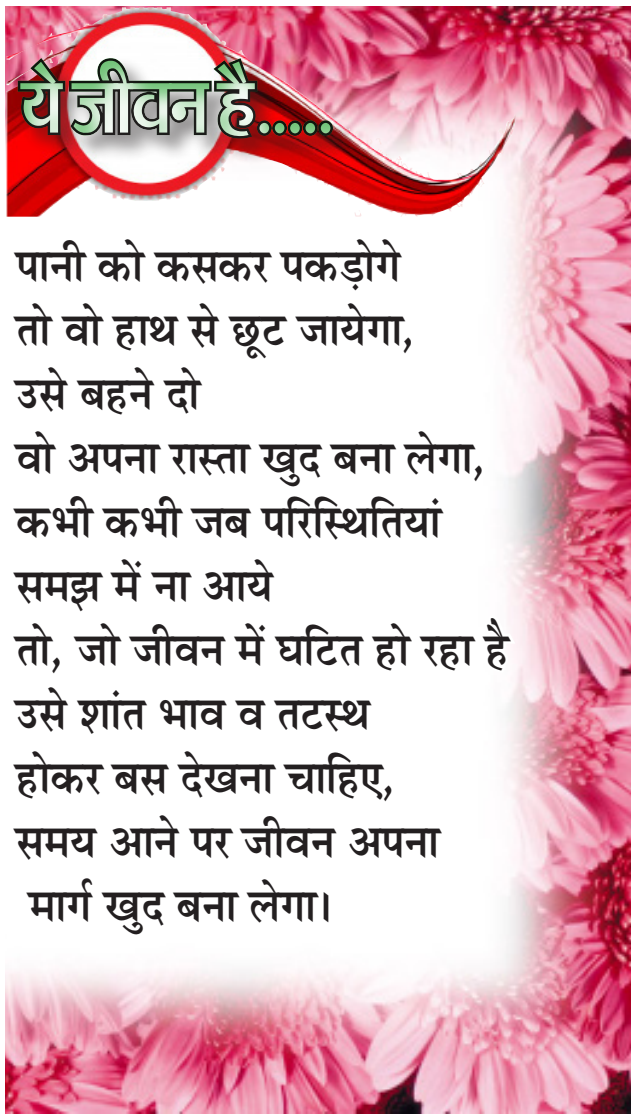

ख्यालों के आईने में...

मौन और मुस्कान, दोनों का इस्तेमाल कीजिए। मौन रक्षा कवच है तो मुस्कान स्वागत द्वार। मौन से जहाँ कई मुसीबतों को पास फटकने से रोका जा सकता है। तो मुस्कान से कई मसलों का हल निकाला जा सकता है।

ओमशान्ति मीडिया
सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय
ओमशान्ति मीडिया,
संपादक - ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,
शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.) 307510
सम्पर्क- M- 9414006096,
9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org